

HRA an Using The Gazette of India

असाधार्ग EXTRAORDINARY

भाग I—सण्ड 1 PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

tio 212] No. 212] नई विश्लो, बृहस्पतिवार, अबत्बर 6, 1988/आधिवम 14, 1910 NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 6, 1988/ASVINA 14. 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिक्य मंत्राक्षय

श्रायाम व्यापार नियंत्रण

मार्बजनिक सूबना सं. 60 ग्राई टी सी (पी एन)/88--91

नई दिल्ली, 6 अबद्बर, 1988

विषय:-- अप्रैल, 1988-- मार्च, 1991 की आवात-नियति नीति।

का. मं. म्राई. पी.मी./4/5(19)/88--91.- -वाणिज्य मंत्रालय की यथा संशोधित मार्वजितिक सूचना सं.-1 म्राई टी सी (पी एत)/88---91, वित्रोक 30 मार्च, 1988 के म्राधीत प्रकाणित म्रायान-निर्यास नीति, 1988--91 की म्रोर ध्यान विलाधा जाना है।

2. उक्त नीति में निम्नलिखित संगोधन नीजे उल्लिखित उचित स्थानों पर किए जाएंगे :--

क्रमसं . श्रायात-निर्यात नीति,

मन्दर्भ

संगोधन

1988--- 91 (खण्ड-1) की

पच्ठ मंख्या

.

า

А

. 32

श्रध्याय~-- श

वर्तमान पैरा 104 को निम्नलिखिन द्वारा प्रतिस्थापिन किया जाएगा:--

1(क) कुछाई के लिए जीविन पौधों, बीजों या पोधों की म्रन्य सामग्री के म्रायात की भ्रनुमित कृषि एवं सहकारिता विभाग की मिफारिश पर, पौधे, फल एवं बीज (भारत में ग्रायात विनियमत) भ्रादिश, 1984 के भ्रावधानों के भ्रधीत दी जाएगी। ग्रायात की श्रनुमित निर्धारित संगरोध विनियमतों की भ्रतुपालना की शर्त के स्रधीत दी जाएगी। श्रायात केवल बस्बई, कलकसा, सद्रास, दिल्ली भीर श्रमुतसर में किया जाना चाहिए।

[2539 GI/88

- (ख) बुद्राई के लिए मोटे भनाज/दालों भीर तेल बीजों के श्रायात की श्रमुमति, उन कप्पनियों की दो वर्ष से श्रधिक के लिए नहीं दी जाए जिन्होंने बीज उत्पादन के लिए बिदेशी कम्पनियों के साथ तकनीकी/ वित्तीय सहयोग समझीता कर रखा हो बर्गत कि विवेशी संभरक भाग्तीय कम्पनी की कृषि एवं सहकारिता विभाग से उसके प्राचात की स्वीकृति हो जाने के बाद प्रथम परेषण की तारीख से दो वर्ष की प्रविध के भीतर पेरेंट लाइन बीज की प्रापृति करना स्वीकार करता हो , भायात लाइसेंस कृषि एवं सहकारिता विभाग की मिफारिश पर मुख्य नियंत्रक, भ्रायात निर्यात, नई बिल्ली द्वारा जारी किया जाएगा ।
- (ग) राष्ट्रीय क्षीज निगम भीर राज्य बीज निगमों को मोटे प्रनाज, तेल बीज और दालों के बीजों के बाबात की अनुमति कृषि एवं महकारिता विभाग की सिफारिश पर दी आए।
- (घ) फलों के लिए बीज/पौधे लगाने की सामग्री के ग्रायात की सिफारिण कृषि तया सहकारित। विभाग द्वारा राज्य के बागवानी/कृषिक निवेशक की सिफारिश पर चनिन्तास्य में प्रलग-प्रलग मामलों के प्राधार पर ऐसे संगरोध विनियमों की धर्धान की जाएगी जो कि पाद संरक्षण सलाहकार (पी पीए) द्वारा निर्धारित किए गए हों।
- (क) वक्षीं, झाडियों भादि के बीओं के लिए बोने की सामग्री के भायात की अनुमति भारतीय वन प्रनुसंघान संस्थान की सिफारिश पर, पौधे, कल एवं की (भारत में श्रायात बिनियम) श्रादेश, 1984 के प्रावधानों के श्रधीन दी आए। प्रायात पर्योबरण एवं वन मंत्रालय द्वारा निरीक्षण एवं पहचान की श के अधीम होगा।
- (2) स्वल, समग्र या बायुगान द्वारा बीजों, पौघों, जीवित धीर पौधे सामग्री के सभी श्रायात/श्रायातों के साथ मूल देश के उचित प्राधिकारी द्वारा जारी किया गय अंतर्राष्ट्रीय रूप से मान्यताप्राप्त प्रपक्ष में फिटोसेनिटरी प्रमाणपद लगा होना चाहिए जिसमें यह दर्शाया जाना चाहिए कि प्रेषण हानिकर कीड़ों, महामारी पौधों की बीमपरियों से मुक्त हैं। फिटोसेनिटरी प्रमाणपत्न-गत में जोड़ा जाने बाला श्रीतरिक्त घोषणा पत्न पौधा संरक्षण सलाहकार द्वारा निर्धारित किया जाए। इस सम्बन्ध में उचित और समय के भीतर महायता के लिए स्वयं आश्वासित होने के लिए, पास आयातकों को सलाह दी जाती है कि वे विनाशकारी कीट और महामारी मधिनियम, 1914 के प्रावधानों के सहत श्रायात परिभट की मंज्री के लिए पादप संरक्षण, संगरीध तथा भण्डारण, फरीवाबाद निवेशालय के पादंप संरक्षण सलाहकार या उस के द्वारा प्राधिकृत मन्य प्रक्षिकारी से प्राचेवन करें भीर भागातित प्रेथण की निकासी के समय पीधा संगरोध प्राधिकारी की उसे विसाए ।
- (3) ब्हाई के लिए बीजों के प्राधातित परेपण की सीमाशुल्क निकासी, पौधा संरक्षण सलाहकार द्वारा संगरीध निकासी विए जाने के बाद की जाएगी। बचाई के लिए बीओं के श्रायातित परेषण को, अब तक संगरीध/सीमाशुरक निकासी नहीं दी जाएगी । बंधित गोदामों में प्रायानक की लागत पर रखा जाएगा ।
- (4) जंगली काउना और फ्लोरा की संकटापना जातियों के ब्रन्तर्राष्ट्रीय व्यापार समझौते (सी आई टी ई एस) के किसी भी परिशिष्ट में सुवीबद पौछों की जातियों का बाधात भारत सरकार के जंगली जीव संरक्षण उप निदेशक के निरीक्षाधीय होगा।

परिभिष्ट---2 शग--ख

विद्यमान प्रविष्टि सं. 101 के बाद निम्निविश्वत नई प्रविष्टि जोड़ी जाएगी:---"101 क. ऐतुं भौर धान के बीज 34-1071-02-1"

3 मारत का राजपक्ष : मसाधारण [भाग !--कंड 1] विद्यमान भद सं. 47 के बाद निम्नलिखित नई भद जोड़ी जाएगी :--परिकाट-~6 3. 166 पाल भाषातकों की श्रेणियां (48)(i) सक्तियों/कूंलां के बीज, सजावटी (क) कृषि विभाग/राज्य सरकारों के उद्यान विभाग राज्यों के, पौधों के बीज, फ्लों के ट्यूबरस फ्रिचि विश्व विद्यालय भौर और बलास भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (ii) फूलों के कटिंग्स, सैपलिंग्स, बड बुष इत्यादि । (भ्राई. सी. ए. भार.) (ख) बीज उत्पादन करने बाली भारतीय कंपनियों/कर्मे जो कि भारतीय बीज निगम के साथ पंजीकृत हों। (ग) भारतीय बीज निगम राज्य बीज निगम। (घ) खाद्य संसाधन के श्रीद्यीगिक एकक् । (इ) कृषि निदेशक/राज्य सरकारों के उद्यान विभाग के माथों पंजीकृत फूल और सन्जियों के उपजाने वाले । वर्षमान गर्त सं. (45) के बाद निम्नलिखित गर्त जोड़ी जाएगी:---परिशिष्ट---6 4. 172 "(45.क(1) इस परिशिष्ट की मद सं. 48(1) द्वारा सिकायों के बीजों/ खने मामान्य लाइसेंस के तहत प्रायात को णासित करने वाली शर्ते द्वारा प्रायात पौधे, कल एवं बीज (भारत में प्रायात करने के लिए विनियमन)

फूलों, सजाबटी पौधों के बीजों फूलों के द्यबरस और बरुबस का पात ग्रामातक म्रादेश, 1984 के प्रावधानों के तहत शासित होगा और पादप रक्षण सलाहकार द्वारा निर्धारित किए गए अनुसार ऐसे संगरीध विनियमनों की संतुष्टि के पश्चात् प्रत्यक्ष निरीक्षण, प्रयोगणाला निरीक्षण और वृद्धि परीक्षण ग्रावश्य होंगे। परेषण तक तक बंधित गोदाम में झायातक की लागत पर रखा जाएगा अब तक संगरोध/ सीमाशुल्क निकासी नहीं वे वी जाती । सक्जियों, फलों/सजाबटी पौधों के बीजों फुलों के ट्यूबरस और बस्बों की सीमाणुरक निकासी, सीमाणुरक प्राधिकारी द्वारा पादप संरक्षण सलाहकार से संगरोध निकासी पत्न की प्राप्ति होने पर दी जाएगी ।

- (2) त्रगर परेषण को देखने से यह पता चले कि उसमे किसी बीमारी, महामारी या बिदेशी बीमारी के गोलकृमि लगे हुए है या प्रकट है तो सम्पूर्ण परेषण को धस्त्रीकार कर विया जाएगा और इसे नव्ट करने की निर्धारित प्रतिया के तहत मध्द कर दिया जाएगा।
- (45.ख)(1) इस परिशिष्ट की मद सं.(48)(2) द्वारा फूलों की कटिंग और सैपलिंग्स के भ्रायातकों के पास पादप संरक्षण सलाहकार (पी. पी. ए.) द्वारा यथा निर्धारित पोस्ट एन्ट्री क्वारन्टी (पी. ई. क्यू.) सुविधाएं होनी चाहिए ।
 - (2) फूलो के कदिग्स, सैपलिग्स, बड-मूख इस्थादि के प्रायात के लिए बास्तविक निरीक्षण एवं प्रयोगन्नाला निरीक्षण à, **इ**न्द्री क्वाररन्टीन ग्रनिवार्य होगी । पादप पास्ट रक्षण सलाहकार द्वारा यथा निर्धारित की जाने वाली पोस्ट इन्ट्री क्वॉरन्टाइन सुविधाएं खुले सामान्य लाइसेंस के तहत आयात के लिए अनुमेश आयातकों की पान्नता श्रेणियों द्वारा स्थापिन की जानी चाहिए।

-	2	3	4
_			(3) सीमागुल्क प्राधिकारी द्वारा पादप संरक्षण गलाहकार से क्वॉरल्टाइन निकासी प्राप्त होने पर परेषण की मीमागुल्क निकासी दी जाएगी।
			(1) फूलों के कटिग्म, मैपलिग्म वजबुह इत्यादि जिनके लिए पी. ई. वयू. निरीक्षण की ब्रावण्यकता होती है उन्हें पावप, फल एवं बीज (भारत में श्रायात के लिए विनियमन) आवेश, 1984 के तहस निर्धारित प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित प्रविधिट पश्चात् संगरोध पी. ई. क्यू. सुविधा में उगाया जाएगा। यदि संगरोध मिमागुल्क निकासी के उपरान्त उसत प्राधिकारी पी. ई. क्यू. निरीक्षण के दौरान यह देखता है कि इगमें कोई विदेशी कीज़ या बीमारी है तो निर्धारित ढंग से उसी समय सामग्री को नष्ट कर दिया जाएगा।
5.	312	परिभिष्ट 17 नियति उत्पाव	कालम संख्या (5) में निम्नलि खित जोड़ा जाएगा :— "सामान्य नोट":—
		ध्रुप छ . 2 कालम मं.—-5	(1) फूलों के बीज/सिब्जियां/सजायटी पौधे और केंद्र और फूलों की निलका मर्दी के लिए ग्रार. ई. पी. लाइसेंस के हस्सान्तरण की स्वीकृति केवल उन्हीं व्यक्तियों को वी जाएगी जोकि इस पुस्तक के परिणिप्ट6 में क्रम सं. 48 में उल्लिखित पात ग्रायात ग्रायातकों की श्रेणी में ग्राते हों, बगतें कि वे पौधों फलों और बीज (भारत में ग्रायात विनियमन) ग्रावेश, 1984 की निर्धारित ग्रातों को पूरा करते हों।"
6.	312	परिभिष्ट17 निर्मात उत्पाद छ 2(i)(क) कालम सं. 4 मदसं. (घ)	मद सं. (घ) के मौजूदा दिवरण को निम्नप्रकार से संगोधित किया जाएगा: ''(ङ) सिज्जियों/फूलों के बीज, तिलहुनों और सूखे मैद्यां को छोड़कर।''
7.	312	परिशिष्ट⊸-17 निर्यात उल्पाद छ.2(i) (ख)	मद (क) के भीजूदा विवरण को निम्न प्रकार से संशोधित किया जाएगा :
		कालम सं 4 मद नंख्या (कं)	" $(lpha)$ उपर्युक्त कम सं. छ. $2\left(i ight)(lpha)$ केसामने मद $\left(lpha ight),\left(lpha ight),\left(lpha ight)$ और $(lpha)$ मदों केसमान।"
8.	313	परिशिष्टः 1 <i>7</i> निर्यात उत्पाद	(i) मद सं. (क) के मीजूदा विवरण को निम्न प्रकार में संशोधित किया जाएगा :
		छ. 2(ii) कालम सं. 4	(क) गब्बियों/फूलों के बीज (प्तिलहनो/सूखे मेवों को छोड़कर)। (ii) मौजूक्ष सद(ङ) को हटा दिया जाएगा। (iii) सद गं. (च) के मौजूक्ष विवरण को निम्नवकार से संशोधित किया जाएगा:
			''(च) फूलों के बतब और प्यूबर्स''
9.	313	परिशिष्ट 1 7 निर्मात उत्पाद छ. 2 (iii)	 (i) मद (ख) के मौजूदा विश्वरण को निम्नप्रकार से संशोधित किया जाएगा : "(ख) सजाबटी पौघों/सब्जियों/फूलों के बीज (तिलहनों और सूखे मेवों के छोड़कर)।"
		कालम सं. 1	 (ii) गर (घ) के मौजूदा विवरण को निम्नप्रकार से संशोधित किया जाएगा : "(ध) फूलों के बल्बस और प्यूचर्स।"

ग्रीयात नीति में ज्यर्युक्त संशोधन अनहित में किए गए हैं-।

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

Public Notice No. 60-I.T.C,(PN) /88-91 New Delhi, the 6th October, 1985

Subject: Import and Export Policy for April 1988-March 1991.

F.N. P. C. 11/5(D)/38-91;—Attention is invited to the Import & Export Policy for April 1988—March 1991, published under the Munistry of Communes Public Notice No. 1-ITCP(N)/88-91 dated the 30th March, 1988, as amended,

2. The following amendments shall be made in the Policy at appropriate places indicated below:-

Sl. Page No. of No. Import and Export Policy, 1988—91 (Volume f)		Reference	Amendment
1	2	3	4
			ر میں ہے ۔ ان میں میں سے ان

1. 32 C. APTER VIII Enport of Plants, Seeds and other Plant Material Para 104

The existing paragraph 104 shall be substituted by the following:-

- "104 (1) (a) Import of living plants, seeds for sowing or other plant materials may be allowed on the recommendations of the Deptt. of Agriculture & Cooperation subject to the provisions of the Plant, Fruits and Seeds (Regulation of Import into India) Order, 1984, Imports shall be allowed subject to-compliance with the prescribed quarantine regulations. Imports should be made only at Bombay, Calcutta, Madras, Delhi and Amritsar.
 - (b) The Import of seeds of coarse cereals/pulses and oilseeds for sewing may be allowed for a period not exceeding two years to companies which have technical/financial collaboration agreements for production of seed with companies abroad provided the foreign supplier agrees to supply parent line seeds to the Indian company within a period of two years from the date of import of the first consignment after its import has been cleared by Department of Agriculture & Cooperation. The import licence will be granted by the CCI&E for import on the recommendation of the Department of Agriculture and Cooperation.
 - (c) The National Seeds Corporation and the State Seeds Corporations may be permitted to import seeds of coarse cereals, oilseeds and pulses on the recommendation of the Department of Agriculture & Cooperation.
 - (d) The import of seeds/planting material for fruits shall be recommended selectively by the Deptt. of Agriculture & Cooperation on a case to case basis, on the recommendation of the State Director of Horticulture/Agriculture, subject to such quarantine regulations as may be laid down by the Plant Protection Adviser (PPA)
 - (e) Import of sowing materials for seeds of trees, shrubs, etc., may be allowed on the recommendation of the Forest Research Institute of India subject to the provision of the Plants, Fluits and Seeds (Regulation of Import into India) Order, 1984. Import shall be subject to inspection and identification by the Ministry of Environment and Forests.
 - (2) All imports of seeds, plants living and plant material by land, sea or air shall be accompanied by a phytesanitary certificate issued by the appropriate authority in the country of origin in the internationally recognised form, indicating that the consignment is free from injurious insects, pests/plant disease. Additional declarations to be include in the phytesanitary certificate may be prescribed by the Plant Protection Adviser. To ensure themselves of proper and timely help in this regard, eligible importers are advised to consult and apply well in

0		THE GAZETTE C	of india : Extraordinary	[PART II—SEC. 1]	
1	2	3	4		
<u> </u>		<u> </u>	him in the Directorate of Ph Faridabad, for the grant of of the Destructive Insects an	lviser or any other officer authorised by ant Protection, Quarantine and Sterage, an import permit under the provisions d Pests Act, 1914 and produce it to the at the time of clearnace of the imported	
			ing will be given after the que Protection Adviser. The imp	imported consignments of seeds for sow- arantine clearnace is given by the Plant forted consignment of seeds for sewing archouse at the cost of the importer un- nce is given.	
			vention on International Trad	in any of the Appendices of the Con- le in Endangered Species of Wild Fauna ubject to inspection by the Deputy Dir- Government of India."	
2	129	Appendix 2 Part-B	After the existing entry No. 101, the "101A. Seeds of wheat and paddy.	following new entry shall be added:- 34-1071-02-1."	
3.	166	Appendix 6	After the existing item No. 47, the following new item shall be added:-		
			Item	Categories of eligible importers	
			 "48 (i) Seeds of vegetables/flowers, seeds of ornamental plants, tubers and bulbs of flowers. (ii) Cuttings, saplings, budwood, etc., of flowers. 	(a) Departments of Agriculture/Horti- culture of the State Governments, State Agricultural Universities and Indian Council for Agricultural Research (ICAR).	
			(b	s) Seed producing Indian companies/ firms which are registered with the National Seeds Corporation.	
			(0	c) National Seeds Corporation, State Seeds Corporations.	
			•) Food Processing Industrial Units.	
			(e	c) Growers of flowers and vegetables resistered with the Director of Asriculture/Horticulture of the State Governments".	
4.	172 Appindix 6 Conditions governing Import under General Licence		After the existing Condition No. (45), the following conditions shall be added: "(45A) (i) Imports of seeds of vegetables/flowers, seeds of ornemental plants tubers and bulbs of flowers by eligible importers vide Item No. 48(i) of this Appendix shall be regulated by the provisions of the Plants, Fruits and Seeds (Regulation of Import into India) Order 1984, after satisfying such quarantine regulations, as may be pre scribed by the Plant Protection Adviser. Visual inspection, laboratory inspection and grow-out tests will be necessary. The consignment shall be kept in a bonded warehouse at the cost of the importer until quarantine/customs clearance is given. The custom clearance of vegetable, flower/ornamental plant seeds, tubers are bulbs of flowers will be given by the customs authorities on receip of quarantine clearance from the Plant Protection Advisor. (ii) In case the consignment shows the presence or manifestation of		
			any disease of pest or nen signment shall be rejected	natode of exotice origin, the entire con- and destroyed in the prescribed manner.	
			No. 48(ii) of this Append	and saplings, etc. of flowers vide Item ix should possess post entry quarantine approved by the Plant Protection Ad-	

J	2	3	4
			(ii) For import of cuttings' saplings' budwood, etc. of flowers, in addition to visual inspection and laboratory inspection, post entry quarantine (PEQ) shall be essential. PEQ facilities as may be prescribed by the Plant Protection Adviser, shall have to be established by the eligible categories of importers permitted to import under OGL.
			(iii) Castoms clearance shall be given by the customs authorities to the consignment on receipt of the quarantine clearance from Plant Protection Adviser.
			(iv) Cuttings, saplings, budwood, etc., of flowers which require PEQ inspection shall be grown in the PEQ facility approved by the authority prescribed under the Plants, Fruits and Seeds (Regulation of Import into India) Order, 1984. If after quarantine/customs clearance the said authority observes the presence of any exotic pest or disease during PEQ inspection the material shall be forthwith destroyed in the prescribed manner."
5.	312	Anxendix 17 Export Product	In column No. (5), the following shall be added:-
		Group G.2 Column No. 5	"General Notes:
			(1) Transfer of REP licences for items, seeds of flowers/vegetables/ornam ental plants and bulbs and tubers of flowers shall be allowed only to these persons who are covered by the categories of eligible importers at Sl. No. 48 in Appendix 6 of this Book subject to the conditions laid down in the Plants, Fruits and Seeds (Regulation of Import into India) Order, 1984."
6,	312	Appendix 17 Export Product G. 2(i)((a) Column No. 4 Item No. (d)	The existing description of item No. (d) shall be amended as under:- "(d) Seeds of vegetables/flowers (excluding oil seeds and dry fruits)-"
7.	312	Appendix 17 Export Product	The existing description of item (a) shall be amended as under :-
		G. 2(i)(b) Column No. 4 Item No. (a)	"(a) Same as items (a), (b), (c) and (e) against Sl. No. G. 2(i)(a) above."
8.	313	Appendix 17 Export Product.	(i) The existing description of item No. (a) shall be amended as under:-
		G. 2(ii) Column No. 4	"(a) Seeds of vegetables/flowers (excluding oil seeds and dry fruits)." (ii) The existing item No. (a) shall be deleted.
			(iii) The existing description of item No. (f) shall be amended as under:— "(f) Bulbs and tubers of flowers."
9.	313	Appen lix 17 Export Product G. 2(iii) Column No. (4)	(i) The existing description of item (b) shall be amended as under::— "(b) Seeds of ornamental plants/vegetables/flowers (excluding oil seeds and dry fruits)."
			(ii) The existing description of item (d) shall be amended as under:- "(d) Bulbs and tubers of flowers."

3. The above amendments in the Import Policy have been made in the public interest.

R.L. MISRA,

Chief Controller of Imports & Exports.

	'	